

ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटिस

स्रोत: हनिदुस्तान टाइम्स

मच्छर जनति बीमारियाँ वशिव के वभिन्न हिस्सों में एक बड़ा खतरा बनी हुई है, **संयुक्त राज्य अमेरिका** में **ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटिस (EEE)** वायरस की उपस्थिति से इस खतरे में और वृद्धि हो गई है।

- हाल ही में **अलबामा और न्यूयॉर्क** में इस दुर्लभ वायरस से होने वाली बीमारी के मामले देखे गए हैं, जिसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटिस:

- परिचय**
 - ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटिस (EEE)** एक वायरल बीमारी है जिसके कारण **मस्तिष्क में सूजन** की समस्या होती है। यह संक्रमित मच्छर के काटने से लोगों और जानवरों में फैलती है।
 - EEE की पहचान पहली बार वर्ष 1831 में मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में घोड़ों में की गई थी।**
- कारण:** EEE **ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटिस वायरस (EEEV)** के कारण होता है, जो जीनस **अल्फावायरस (Genus Alphavirus)** और **टोगाविरिडि (Togaviridae)** परिवार से संबंधित है।
 - EEE वायरस में सगिल स्ट्रैंडेड, पॉजिटिव-सेंस वाला RNA जीनोम होता है।
 - EEEV मुख्य रूप से संक्रमित मच्छरों [वशिव रूप से **कुलीसेटा मेलानुरा समूह (Culiseta Melanura Group)** से संबंधित प्रजातियों] के काटने से फैलता है।
 - ये मच्छर **मनुष्यों और घोड़ों (डेड-एंड होस्ट/Dead-End Hosts)** सहित पक्षियों (रज़िर्वायर होस्ट/Reservoir Hosts) तथा सूतनधारियों को संक्रमित करते हैं।
 - यह वायरस **मनुष्यों के बीच** या घोड़ों जैसे जानवरों से मनुष्यों में **नहीं फैलता है।**
- लक्षण:** EEE से जुड़े लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं, जो अक्सर तेज़ी से बढ़ते हैं:
 - यह वायरस आमतौर पर तेज़ बुखार, सरिदरद, ठंड लगना और मतली से शुरू होता है।
 - जैसे-जैसे संक्रमण बढ़ता है और गंभीर लक्षण उत्पन्न होने की संभावना होती है, जिनमें **दौरे, भटकाव और यहाँ तक कि कोमा** भी शामिल है।
- प्रभाव:**
 - लगभग **33% संक्रमित व्यक्ति जीवित नहीं बच पाते हैं**, आमतौर पर लक्षण देखे जाने के 2 से 10 दिनों के बीच मृत्यु हो जाती है।
 - वायरस से बचे लोगों को **लंबे समय तक न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है**, 50 वर्ष से ऊपर और 15 वर्ष से कम आयु वालों के इससे संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है।
- उपचार:**
 - वर्तमान में **ईस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटिस के इलाज** के लिये कोई **वैक्सीन** उपलब्ध नहीं है।
 - संक्रमण के खतरे को कम करने के लिये व्यक्तियों को कई एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी जाती है, जिसमें **रपिलेंट का उपयोग और सुरक्षात्मक कपड़े पहनकर मच्छरों के काटने से बचना** शामिल है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

- उष्णकटबिंधीय प्रदेशों में जीका वाइरस रोग उसी मच्छर द्वारा संचरित होता है जिससे डेंगू संचरित होता है।
- जीका वाइरस रोग का लैंगिक संचरण होना संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

- (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eastern-equine-encephalitis>

